आलोक धन्वा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» कवि आलोक धन्वा का परिचय और साहित्यिक यात्रा

प्रश्न 1 (आसान). आलोक धन्वा जी की पहली कविता का नाम क्या है?

उत्तर – जनता का आदमी

प्रश्न 2 (आसान). उन्हें कौन-कौन से सम्मान मिले हैं? कोई एक नाम बताओ।

उत्तर – राहुल सम्मान या पहल सम्मान।

प्रश्न 3 (मध्यम). आलोक धन्वा की कविताओं ने हिंदी साहित्य को कैसे प्रभावित किया, इसके बारे में क्या कहा जाता है?

उत्तर – आलोचकों का मानना है कि उनकी कविताओं ने हिंदी कवियों और कविताओं को बहुत प्रभावित किया, जिसका मूल्यांकन अभी ठीक से नहीं हुआ है।

प्रश्न 4 (कठिन). इतनी ख्याति के बावजूद भी उन्होंने 'थोक के भाव में' लेखन क्यों नहीं किया?

उत्तर – इतनी व्यापक ख्याति और लोगों की अपेक्षाओं के दबाव के चलते, उन्होंने कभी भी बहुत ज़्यादा कविताएँ नहीं लिखीं। उनका पहला और एकमात्र काव्य संग्रह भी काफ़ी समय बाद आया।

» कविता 'पतंग' का सार और संदर्भ

प्रश्न 5 (आसान). 'पतंग' कविता किस कवि ने लिखी है?

उत्तर – आलोक धन्वा

प्रश्न 6 (आसान). इस कविता में पतंग किसका प्रतीक है?

उत्तर – बच्चों की उमंगों, सपनों और ऊँचाइयों को छूने की चाह का

प्रश्न 7 (मध्यम). 'पतंग' कविता में कवि ने बालसुलभ इच्छाओं को दर्शाने के लिए किन चीज़ों का उपयोग किया है?

उत्तर – पतंग उड़ाने वाले बच्चों, उनकी गतिविधियों और प्रकृति में आए परिवर्तनों का।

प्रश्न 8 (कठिन). कविता 'पतंग' आलोक धन्वा के किस संग्रह का हिस्सा है और यह कविता कितनी लंबी है?

उत्तर – यह कविता आलोक धन्वा के एकमात्र संग्रह का हिस्सा है और यह एक लंबी कविता है जिसका तीसरा भाग पाठ्यपुस्तक में शामिल किया गया है।

» शरद ऋतु का आगमन और बच्चों की उमंगें

प्रश्न 9 (आसान). कविता में शरद ऋतु के आगमन का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

उत्तर – शरद ऋतु ऐसे आती है जैसे कोई नई चमकीली साइकिल पर पुलों को पार करते हुए, घंटी बजाते हुए और चमकीले इशारों से पतंग उड़ाने वाले बच्चों को बुला रहा हो।

प्रश्न 10 (आसान). 'सबसे तेज़ बौछारें गईं, भादो गया' कहने से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर – इसका तात्पर्य है कि बारिश का महीना (भादो) खत्म हो गया है और अब मौसम साफ़ और सुहाना हो गया है।

प्रश्न 11 (मध्यम). कवि ने आकाश को 'मुलायम' क्यों बनाया है? इसका पतंग से क्या संबंध है?

उत्तर – कवि ने कहा है कि शरद ऋतु ने आकाश को इतना मुलायम बना दिया है कि पतंग आसानी से ऊपर उठ सके। इसका मतलब है कि शरद ऋतु में आसमान साफ़ होता है, हवा तेज़ नहीं होती, जो पतंग उड़ाने के लिए एकदम सही माहौल होता है।

प्रश्न 12 (कठिन). बच्चों की 'सीटियों, किलकारियों और तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया' का शरद ऋतु से क्या संबंध है? स्पष्ट करें।
उत्तर – शरद ऋतु के सुहावने मौसम में जब बच्चे पतंग उड़ाने निकलते हैं, तो उनके उत्साह से भरी सीटियाँ और किलकारियाँ गूँजती हैं। इन आवाज़ों और रंग-बिरंगी उड़ती पतंगों की दुनिया को कवि ने तितलियों की तरह नाजुक और सुंदर बताया है, जो शरद ऋतु के आगमन के साथ बच्चों के खेल और खुशी को दर्शाता है।

» बच्चों का उत्साह और पतंगों की दुनिया

प्रश्न 13 (आसान). बच्चे दौड़ते समय छतों को कैसा बना देते हैं?
उत्तर – बच्चे दौड़ते समय छतों को नरम बना देते हैं।

प्रश्न 14 (आसान). जब बच्चे गिरकर बच जाते हैं, तो उनके स्वभाव में क्या बदलाव आता है?
उत्तर – वे और भी निडर हो जाते हैं।

प्रश्न 15 (मध्यम). 'रोमांचित शरीर का संगीत' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर – इसका तात्पर्य बच्चों के शरीर में पतंग उड़ाते समय उत्पन्न होने वाली असीमित ऊर्जा, रोमांच और संतुलन की भावना से है, जो उन्हें खतरों से बचाती है।

प्रश्न 16 (कठिन). पतंग उड़ाते बच्चों के माध्यम से कवि ने किस मानवीय भावना को उभारा है? विस्तार से समझाएँ।
उत्तर – कवि ने पतंग उड़ाते बच्चों के माध्यम से अदम्य उत्साह, निडरता, कोमलता, और जीवन के प्रति असीम जिज्ञासा की मानवीय भावना को उभारा है। बच्चे बिना किसी डर के, पूरी लगन से पतंग के पीछे दौड़ते हैं, गिरते हैं और फिर उठकर आगे बढ़ते हैं। यह उनका सहज लचीलापन और खतरों से बिना डरे आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति दिखाता है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा भी देती है।

» खतरनाक परिस्थितियों का सामना और निडरता

प्रश्न 17 (आसान). कविता में बच्चे पतंग उड़ाते समय कहाँ तक पहुँच जाते हैं?
उत्तर – छतों के खतरनाक किनारों तक।

प्रश्न 18 (आसान). बच्चों के गिरने और बच जाने से उनके स्वभाव में क्या परिवर्तन आता है?
उत्तर – वे और ज़्यादा निडर हो जाते हैं।

प्रश्न 19 (मध्यम). 'पृथ्वी और भी तेज़ घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास' – इस पंक्ति का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि गिरने के बाद बच्चे इतने साहसी और फुर्तीले हो जाते हैं कि उन्हें दुनिया की चुनौतियाँ भी आसान लगने लगती हैं, वे उन्हें तेज़ी से पार कर लेते हैं।

प्रश्न 20 (कठिन). जीवन में खतरनाक परिस्थितियों का सामना करना बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में कैसे सहायक होता है?
उत्तर – खतरनाक परिस्थितियों का सामना करके बच्चे अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं। गिरने और संभलने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है, डर कम होता है, और वे भविष्य की चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं, जिससे उनका व्यक्तित्व मज़बूत बनता है।

» बिंबों और प्रतीकों का प्रयोग

प्रश्न 21 (आसान). कविता की पंक्ति 'शरद आया पुलों को पार करते हुए' में कौन सा बिंब है?
उत्तर – इस पंक्ति में 'दृश्य बिंब' है, जैसे शरद ऋतु को किसी चलते हुए व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है।

प्रश्न 22 (आसान). 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास' में 'कपास' किसका प्रतीक है?
उत्तर – 'कपास' बच्चों के शरीर की कोमलता, लचीलेपन और हल्कीपन का प्रतीक है।

प्रश्न 23 (मध्यम). कविता में 'पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ' में किस तरह का बिंब और प्रतीकात्मकता है?
उत्तर – इसमें 'दृश्य बिंब' है, पतंगों को ऊपर उड़ते और धड़कते हुए देखने का। 'धड़कती ऊँचाइयाँ' बच्चों के दिल की धड़कन और उनके बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक भी है।

प्रश्न 24 (कठिन). कवि ने 'आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए' क्यों कहा? इसमें कौन सा बिंब और क्या प्रतीकात्मकता है?
उत्तर – यहाँ 'स्पर्श बिंब' है, जैसे आकाश को छूकर मुलायम महसूस किया जा सकता हो। प्रतीकात्मक रूप से, बच्चों का उत्साह और उनकी पतंगों की उड़ान आकाश को भी उनके लिए अनुकूल और सुरक्षित बना देती है, मानो वह उनके खेल का स्वागत कर रहा हो।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. आलोक धन्वा का जन्म कब और कहाँ हुआ?

› पाठ में दिए गए 'जन्म' वाले खंड को देखें।
› उसमें दी गई जानकारी को पढ़ें।
› जन्म की तारीख और जगह को पहचानें।

उत्तर – आलोक धन्वा का जन्म सन् 1948 में मुंगेर (बिहार) में हुआ था।

उदाहरण 2. कविता 'पतंग' किस कवि की रचना है और यह क्या दर्शाती है?

› पहला कदम: कवि का नाम पहचानें। हमने पढ़ा कि यह कविता आलोक धन्वा की है।
› दूसरा कदम: कविता का मुख्य विषय समझें। यह कविता बच्चों की इच्छाओं, उनके मन की उमंगों और प्रकृति के बदलते रूपों को दर्शाती है।
› तीसरा कदम: पतंग के प्रतीक का अर्थ बताएं। पतंग यहाँ बच्चों के सपनों और ऊँचाइयों को छूने की चाह का प्रतीक है।

उत्तर – कविता 'पतंग' आलोक धन्वा जी की रचना है, और यह बच्चों की बालसुलभ इच्छाओं, उमंगों तथा प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाती है, जहाँ पतंग बच्चों के सपनों और ऊँचाइयों को छूने की ललक का प्रतीक है।

उदाहरण 3. कवि ने 'खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा' क्यों कहा है? इसका क्या अर्थ है?

› पहले सोचो, खरगोश की आंखें कैसी होती हैं? लाल और बहुत चमकती हुई।
› फिर सोचो, बारिश के बाद का सवेरा कैसा होता है? धुला हुआ, साफ़ और धूप से चमकता हुआ।
› कवि ने भादो यानी बारिश के महीने के बाद के सवेरे की लालिमा और चमक को खरगोश की आँखों से तुलना की है।
› यह तुलना इसलिए की है ताकि पाठक को वह सवेरा बहुत चमकदार, ताज़गी भरा और मन को भाने वाला लगे, बिलकुल खरगोश की आँखों की तरह मासूम और सुंदर।

उत्तर – कवि ने भादो मास की तेज़ बौछारों के बाद के स्वच्छ, लालिमायुक्त और चमकीले सवेरे को दर्शाने के लिए 'खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा' बिंब का प्रयोग किया है।

उदाहरण 4. कवि ने बच्चों के शरीर की तुलना किससे की है और क्यों?

› पहला चरण: प्रश्न को ध्यान से पढ़ें।
› दूसरा चरण: कविता की उन पंक्तियों को याद करें जहाँ बच्चों के शरीर का वर्णन है - 'जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास'।
› तीसरा चरण: कपास की विशेषताओं पर विचार करें - मुलायम, हल्का, लचीला।
› चौथा चरण: इन विशेषताओं को बच्चों के स्वभाव और शरीर से जोड़ें।
› पांचवां चरण: अपना उत्तर तैयार करें।

उत्तर – कवि ने बच्चों के शरीर की तुलना कपास से की है। इसका कारण यह है कि कपास मुलायम, हल्का और लचीला होता है। बच्चों का शरीर भी जन्म से ही कोमल और लचीला होता है, जिसके कारण वे पतंग के पीछे दौड़ते समय गिरने पर भी कम चोटिल होते हैं और जल्दी से उठकर फिर से खेलने लगते हैं।

उदाहरण 5. कवि ने 'गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से और बच जाते हैं तब तो और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं' पंक्तियों में क्या संदेश दिया है?

› पहले कविता की इन पंक्तियों को ध्यान से पढ़ें और इनमें छिपे भाव को समझने की कोशिश करें।

› कवि यहाँ बच्चों के पतंग उड़ाने के अनुभव की बात कर रहे हैं, जहाँ वे छतों के किनारों पर पहुँच जाते हैं।

› 'गिरते हैं' मतलब किसी मुश्किल या खतरे का सामना करना।

› 'बच जाते हैं' मतलब उस मुश्किल से निकल पाना।

› 'और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं' का अर्थ है कि इस अनुभव के बाद उनका डर खत्म हो जाता है और वे एक नए आत्मविश्वास के साथ अगली चुनौती के लिए तैयार हो जाते हैं।

› तो संदेश यह है कि खतरों का सामना करके और उनसे बच निकलने के बाद इंसान और साहसी बन जाता है।

उत्तर – कवि इन पंक्तियों के माध्यम से यह संदेश देना चाहते हैं कि बच्चे खेल-खेल में खतरों का सामना करते हैं। जब वे किसी खतरनाक परिस्थिति (जैसे छत के किनारे से गिरना) से बच निकलते हैं, तो उनके भीतर का डर खत्म हो जाता है और वे पहले से ज़्यादा साहसी, निडर और आत्मविश्वासी बन जाते हैं। यह अनुभव उन्हें जीवन की अन्य चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

उदाहरण 6. कविता में 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए' पंक्ति का बिंब और प्रतीकात्मक अर्थ स्पष्ट करें।

› पहले इस पंक्ति से बनने वाली तस्वीर को देखो: बच्चे जब पतंग उड़ाते हुए दौड़ते हैं, तो उनकी चाल, उनका उत्साह, उनके पैरों की धमक ऐसी लगती है जैसे चारों दिशाओं में मृदंग बज रहा हो।

› यह एक 'श्रव्य बिंब' है, यानी हमें सुनने का एहसास होता है। साथ ही 'गति' और 'उत्साह' का बिंब भी है।

› अब इसका प्रतीकात्मक अर्थ समझो: यहाँ 'मृदंग' सिर्फ़ एक वाद्य यंत्र नहीं, बल्कि बच्चों के खेल की मस्ती, उनकी उन्मुक्तता और उनके अंदर की बेफिक्री का प्रतीक है। ये दिखाता है कि बच्चे कितने निडर और मस्त होकर खेल रहे हैं, मानो पूरी दुनिया उनके संगीत पर नाच रही हो।

› यह बच्चों के अदम्य उत्साह और जीवन के प्रति उनके उमंग का प्रतीक है।

उत्तर – 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए' में बच्चों के दौड़ने से उत्पन्न ध्वनि और उत्साह का 'श्रव्य बिंब' है। 'मृदंग' यहाँ बच्चों के खेल की मस्ती, उन्मुक्तता और जीवन के प्रति उनकी उमंग का प्रतीक है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• आलोक धन्वा जैसे कवियों का जीवन परिचय बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। उनकी जन्मतिथि, जन्मस्थान, प्रमुख रचनाएँ और मिले सम्मान, ये मुख्य बिंदु हैं जिन्हें आपको अच्छे से याद करना चाहिए।

• यह कविता आपके बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें से कवि का नाम, कविता का मूलभाव और पतंग के प्रतीकात्मक अर्थ पर आधारित प्रश्न ज़रूर आते हैं। इसे ध्यान से पढ़ना और समझना।

• इस भाग से अक्सर 'बिंब स्पष्ट करें' या 'कवि ने शरद ऋतु का वर्णन कैसे किया है?' जैसे प्रश्न आते हैं, तो खरगोश की आँखें, चमकीली साइकिल, और आकाश का मुलायम होना, इन बिंबों को ध्यान से समझना और लिखना।

• यह अंश बच्चों के मनोविज्ञान और मानवीय स्वभाव पर कवि के विचार को दर्शाता है। परीक्षा में इसका भावार्थ और बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर इसके प्रभाव को ज़रूर लिखें।

• बोर्ड परीक्षा में बिंबों और प्रतीकों पर आधारित प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं। किसी भी पंक्ति को पढ़कर उसमें कौन सा बिंब (दृश्य, श्रव्य, स्पर्श आदि) है और वह क्या प्रतीक (जैसे साहस, कोमलता) दर्शा रहा है, इसे पहचानना और अपने शब्दों में समझाना सीखो।

एक नज़र में रिवीज़न

› कवि आलोक धन्वा: जन्म 1948 मुंगेर, प्रमुख रचनाएँ 'जनता का आदमी', 'दुनिया रोज़ बनती है'।

› पतंग: आलोक धन्वा, बालसुलभ उमंग, सपने, एकमात्र संग्रह का हिस्सा।

› शरद आगमन: साइकिल पर, खरगोश आँख सा सवेरा, पतंग उमंग।
› खतरनाक अनुभव बच्चों को निडर और आत्मविश्वासी बनाते हैं।
› बिंब: शब्दों से बनी इंद्रियगत तस्वीर। प्रतीक: गहरे अर्थ का सूचक।